राजकीय महाविद्यालय गणाई गंगोली

जनपदः पिथौरागढ़

समाजशास्त्र विभाग और आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित

एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार

का संक्षिप्त विवरण

आयोजन तिथिः 29 मई 2023

प्रो0 सिद्धेश्वर सिंह
प्राचार्य

डॉ आशीष अंशु
विभाग प्रभारी–समाजशास्त्र विभाग
एवं संयोजक आई.क्यू.ए.सी

उत्तराखण्ड राज्य

राजकीय महाविद्यालय गणाई गंगोली , पिथौरागढ़ ।

उत्तराखण्ड -262532

समाजशास्त्र विभाग एवं आइ.क्यू.ए.सी के संयुक्त तत्वावधान में

एक दिवसीय वेबीनार: 29 मई 2023 , समय - 11:00AM से 01:00 PM

https://meet.google.com/bjk-ojpt-ckc

विषय : उच्च शिक्षा एवं सामाजिक समावेशन

Higher Education and Social Inclusion

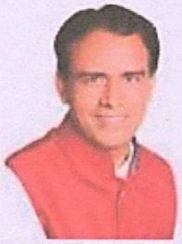

मुख्य संरक्षक

डॉ० धन सिंह रावत

माननीय कैबिनेट मंत्री उच्च शिक्षा, उत्तराखंड ।

संरक्षक एवं मुख्य अतिथि

प्रो० चंद्र दत्त सूँठा

निदेशक, उच्च शिक्षा, उत्तराखंड ।

प्राचार्य/ संरक्षक

प्रो० सिद्धेश्वर सिंह

राजकीय महाविद्यालय गणाई गंगोली , उत्तराखंड

मुख्य वक्ता

प्रो० सुभाष चंद्र वर्मा

प्राचार्य,

राजकीय महाविद्यालय सितारगंज , उत्तराखंड ।

अतिथि वक्ता

प्रो० आनन्द प्रकाश सिंह

समाजशास्त्र विभाग

श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय , उत्तराखंड ।

अतिथि वक्ता

डॉ० ईश्वर स्वरूप सहाय,असि० प्रो०

समाजशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान विभाग

दयालबाग़ शिक्षण संस्थान , आगरा ।

No Registration Fee

E-Certificate will be provided to all Candidates who will attend the webinar

समाजशास्त्र विभाग, राजकीय महाविद्यालय
गणाई गंगोली (पिथौरागढ़) उत्तराखण्ड- २६२५३२

Email-gdcganaigangoli@gmail.com Phone No. 05964 240436

दिनांकः 25 मई 2023

सेवा में

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय गणाई गंगोली

विषयः दिनांक 29 मई 2023 को समाजशास्त्र विभाग और आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार के आयोजन करने की अनुमति चाहने विषयक।

महोदय

सादर अवगत कराना है कि महाविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग और आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 29 मई 2023 (सोमवार) को प्रातः 11 बजे से 01 बजे तक **"उच्च शिक्षा एवं सामाजिक समावेशन"** विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

अतः महोदय से निवेदन है कि उक्त कार्यक्रम के आयोजन की अनुमति प्रदान करें।

धन्यवाद
दिनांकः 25 मई 2023

भवदीय

डॉ0 आशीष अंशु
विभाग प्रभारी समाजशास्त्र विभाग
एवं संयोजक आई.क्यू.ए.सी

कार्यालय, प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय
गणाई गंगोली (पिथौरागढ़) उत्तराखण्ड- २६२५३२

Email-gdcganaigangoli@gmail.com Phone No. 05964 240436

दिनांक 25 मई 2023

आवश्यक सूचना

महाविद्यालय में अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 29 मई 2023 (सोमवार) को समाजशास्त्र विभाग और आई.क्यू.ए.सी के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है। सेमिनार का विषय **"उच्च शिक्षा एवं सामाजिक समावेशन"** है। इसमें महाविद्यालय स्तर पर ऑफलाइन प्रतिभाग भी किया जा सकता है।

अतः समस्त विद्यार्थियों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में आकर (ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन किसी भी मोड में) इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

प्रतिहस्ताक्षरित
प्राचार्य

हस्ताक्षर
डॉ0 आशीष अंशु
विभाग प्रभारी समाजशास्त्र विभाग
एवं संयोजक आई.क्यू.ए.सी

राजकीय महाविद्यालय गणाई गंगोली जनपद–पिथौरागढ़

समाजशास्त्र विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित एक दिवसीय वेबिनार की संक्षिप्त रूपरेखा।

आयोजन तिथि– 29 मई 2023	
समय– प्रातः 11:00 बजे से 01:00 बजे तक	
गूगल मीट लिंक– https://meet.google.com/bjk-ojpt-ckc	
कार्यक्रम की रूपरेखा	
समय	**कार्यक्रम**
11:00 बजे	कार्यक्रम का शुभारम्भ
11:05 बजे	प्राचार्य जी द्वारा स्वागत एवं सम्बोधन
11:10 बजे	मुख्य अतिथि महोदय का उद्बोधन
11:30 बजे	मुख्य वक्ता महोदय का व्याख्यान
11:50 बजे	प्रथम अतिथि वक्ता महोदय का व्याख्यान
12:10 बजे	द्वितीय अतिथि वक्ता महोदय का व्याख्यान
12:30 बजे	प्रश्नोत्तर सत्र
12:40 बजे	छात्रों द्वारा शोध सार का प्रस्तुतिकरण
12:50 बजे	धन्यवाद ज्ञापन एवं कार्यक्रम का सार संक्षेपण
01:00 बजे	कार्यक्रम समापन की घोषणा

प्रतिहस्ताक्षरित
प्राचार्य

हस्ताक्षर
डॉ0 आशीष अंशु
विभाग प्रभारी समाजशास्त्र विभाग
एवं संयोजक आई.क्यू.ए.सी

कार्यक्रम का विवरण

आज दिनांक 29 मई 2023 को राजकीय महाविद्यालय गणाई गंगोली में समाजशास्त्र विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वाधान में **"उच्च शिक्षा एवं सामाजिक समावेशन"** विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 सिद्धेश्वर सिंह द्वारा समस्त अतिथियों के स्वागत संबोधन से किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक, उच्च शिक्षा, उत्तराखण्ड प्रो0 चन्द्र दत्त सूंठा ने संबधित विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा में सामाजिक समावेशन हेतु समानता (इक्वलिटी) से आगे बढ़ कर समता (इक्विटी) की धारणा की ओर बढ़ना होगा। इस हेतु उत्तराखण्ड में उच्च शिक्षा विभाग को समावेशी बनाने की दिशा में गुणवत्तापरक कार्यक्रमों की शुरूआत की गई है जिनसे छात्रों में ना सिर्फ रोजगारोनोमुखता में वृद्धि हो अपितु उच्च शिक्षा प्राप्त करने के उपरान्त छात्र–छात्राएं उत्तराखण्ड में नवीन बदलाव के लिए सामाजिक और आर्थिक अग्रदूत की भूमिका भी निभायें। राज्य में उच्च शिक्षा में सामाजिक समावेशन के लक्ष्य की प्राप्ति के लिये नवीनतम तकनीकों, कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से आवश्यक संरचनात्मक बदलाव को भी समायोजित किया गया है। जिससे कि अंतिम छात्र तक इसके लाभ पहुंच सकें।

इसी क्रम में कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो0 सुभाष चन्द्र वर्मा ने कहा कि हमें उच्च शिक्षा में एक ऐसे सकारात्मक माहौल का सृजन करना होगा जिससे कि छात्रों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास हो सके और प्रतिभाओं के निखरने हेतु एक सकारात्मक माहौल तैयार हो सके। उन्होनें विशेषतः रेखांकित करते हुए कहा कि हमें व्यवसायों के सम्बन्ध में अपनी परम्परागत धारणाओं से मुक्त होकर श्रम की गरिमा को स्थापित करने की जरूरत है। कई बार व्यवसाय सम्बन्धी पारम्परिक शब्दों के स्थान पर नवीन शब्दों का प्रयोग उसी पेशे को अधिक आकर्षक और गरिमामय स्वरूप प्रदान करता है। इन समावेशी बदलावों का रास्ता निश्चित तौर पर उच्च शिक्षा की पगडंडियों से होकर गुजरता है।

आज के कार्यक्रम के अतिथि वक्ता प्रो0 आनन्द प्रकाश सिंह ने उच्च शिक्षा को मानसिक और शारीरिक रूप से अक्षम छात्र–छात्राओं हेतु और भी अधिक समावेशी एवं संवेदनशील बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की विशेष भौगोलिक पृष्ठभूमि में ग्रामीण क्षेत्र के छात्र–छात्राओं को उच्च शिक्षा की मुहिम से जोड़कर उनकी रोजगार संभावना में

ना सिर्फ वृद्धि की जा सकती है बल्कि उनकी सामाजिक–आर्थिक समझ के दायरे में भी विस्तार किया जा सकता है।

इसी क्रम में दयालबाग शिक्षण संस्थान आगरा से अतिथि वक्ता के रूप में जुड़े डॉ0 ईश्वर स्वरूप सहाय ने कहा कि समावेशन से पूर्व हमें बहिष्करण के कारणों को जानना और समझना होगा तभी हम उच्च शिक्षा को अधिक समावेशी बना पाने में सक्षम हो पायेंगे। मूल कारकों की पहचान हमें भटकाव से बचायेगा और उच्च शिक्षा में समावेशन के लक्ष्य प्राप्ति में सहायक सिद्ध होगा।

इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्रा निकिता बोरा ने गणाई गंगोली क्षेत्र के सन्दर्भ में इस बात को रेखांकित किया कि इस दूरस्थ क्षेत्र में राजकीय महाविद्यालय खुलने से ना सिर्फ छात्राओं की उच्च शिक्षा में भागीदारी बढ़ी बल्कि इससे इस क्षेत्र में बाल विवाह जैसी कुप्रथा का भी अन्त हो गया। इस अवसर पर दयालबाग शिक्षण संस्थान की शोध छात्रा आकांक्षा शर्मा ने सम्बन्धित विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत करते हुए उच्च शिक्षा और ग्रामीण समन्वय पर बल दिया।

इस कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से 100 से भी अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम का संचालन इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 आशीष अंशु द्वारा किया गया। डॉ0 मुनेश कुमार पाठक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम का सार प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर श्री नवीन चन्द्र, डॉ0 अंकिता टम्टा, श्रीमती प्रेमा पाण्डेय, तथा श्री जीवन सिंह बोरा सहित अन्य शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रतिहस्ताक्षरित

प्राचार्य

हस्ताक्षर

डॉ0 आशीष अंशु
विभाग प्रभारी समाजशास्त्र विभाग
एवं संयोजक आई.क्यू.ए.सी

फोटोग्राफ्स

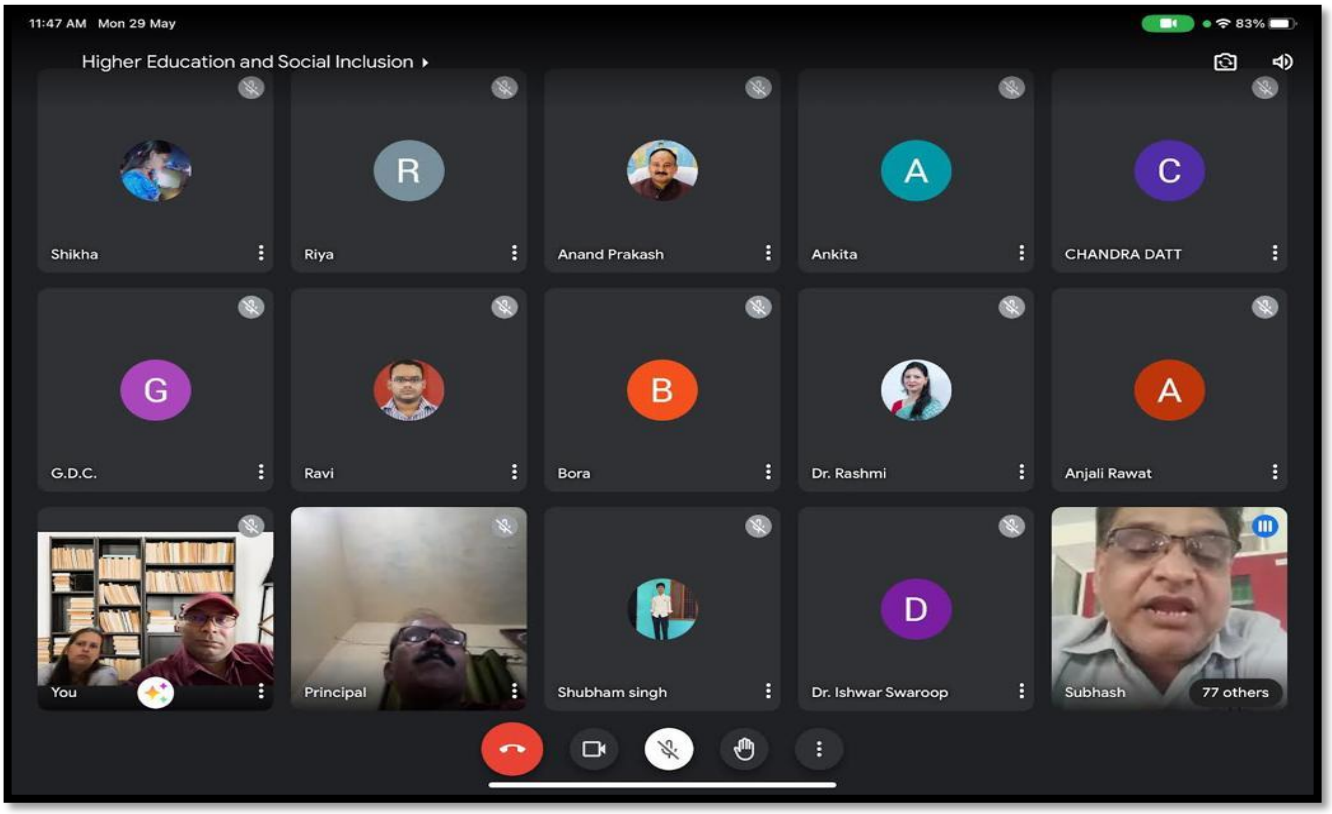
11:47 AM Mon 29 May
83%
Higher Education and Social Inclusion
Shikha
Riya
Anand Prakash
Ankita
CHANDRA DATT
G.D.C.
Ravi
Bora
Dr. Rashmi
Anjali Rawat
You
Principal
Shubham singh
Dr. Ishwar Swaroop
Subhash
77 others

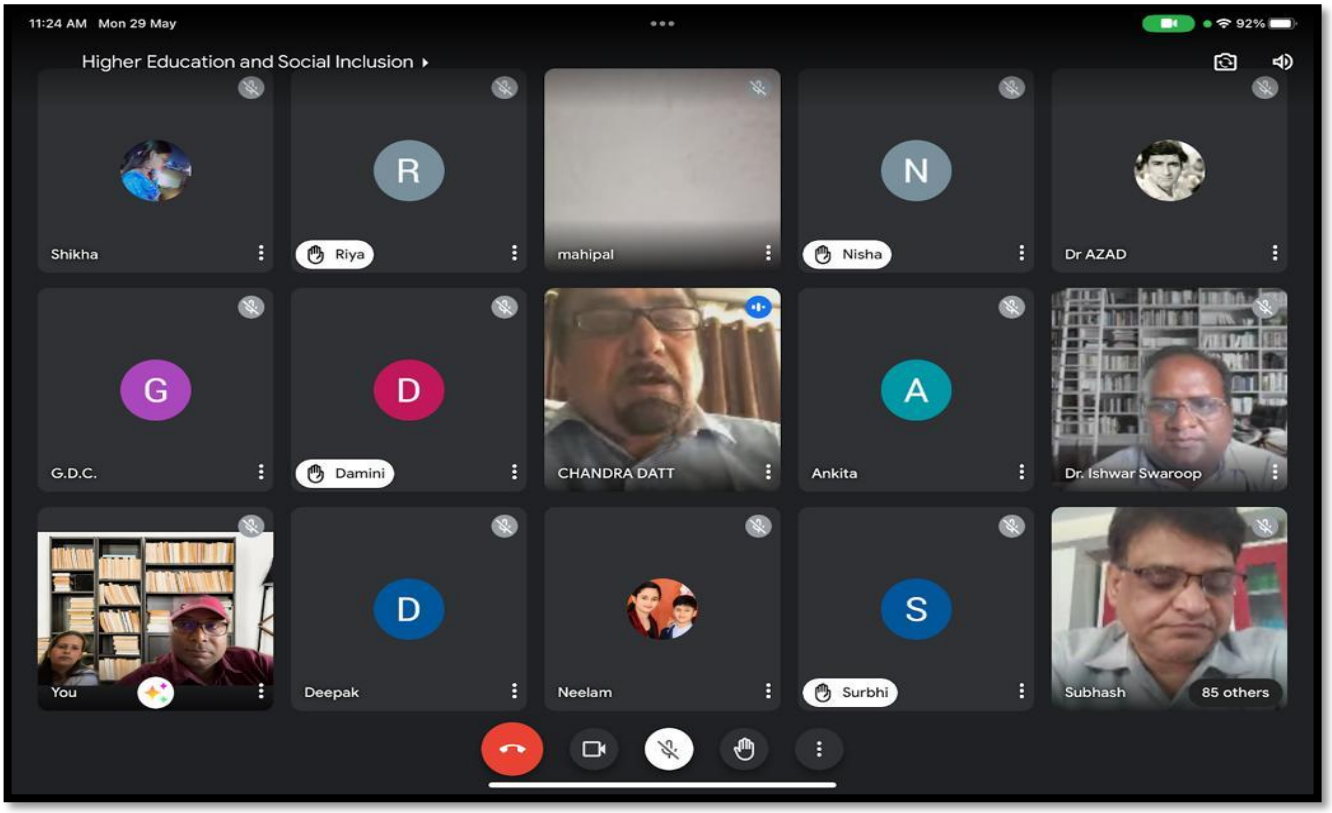
11:24 AM Mon 29 May
92%
Higher Education and Social Inclusion
Shikha
Riya
mahipal
Nisha
Dr AZAD
G.D.C.
Damini
CHANDRA DATT
Ankita
Dr. Ishwar Swaroop
You
Deepak
Neelam
Surbhi
Subhash
85 others

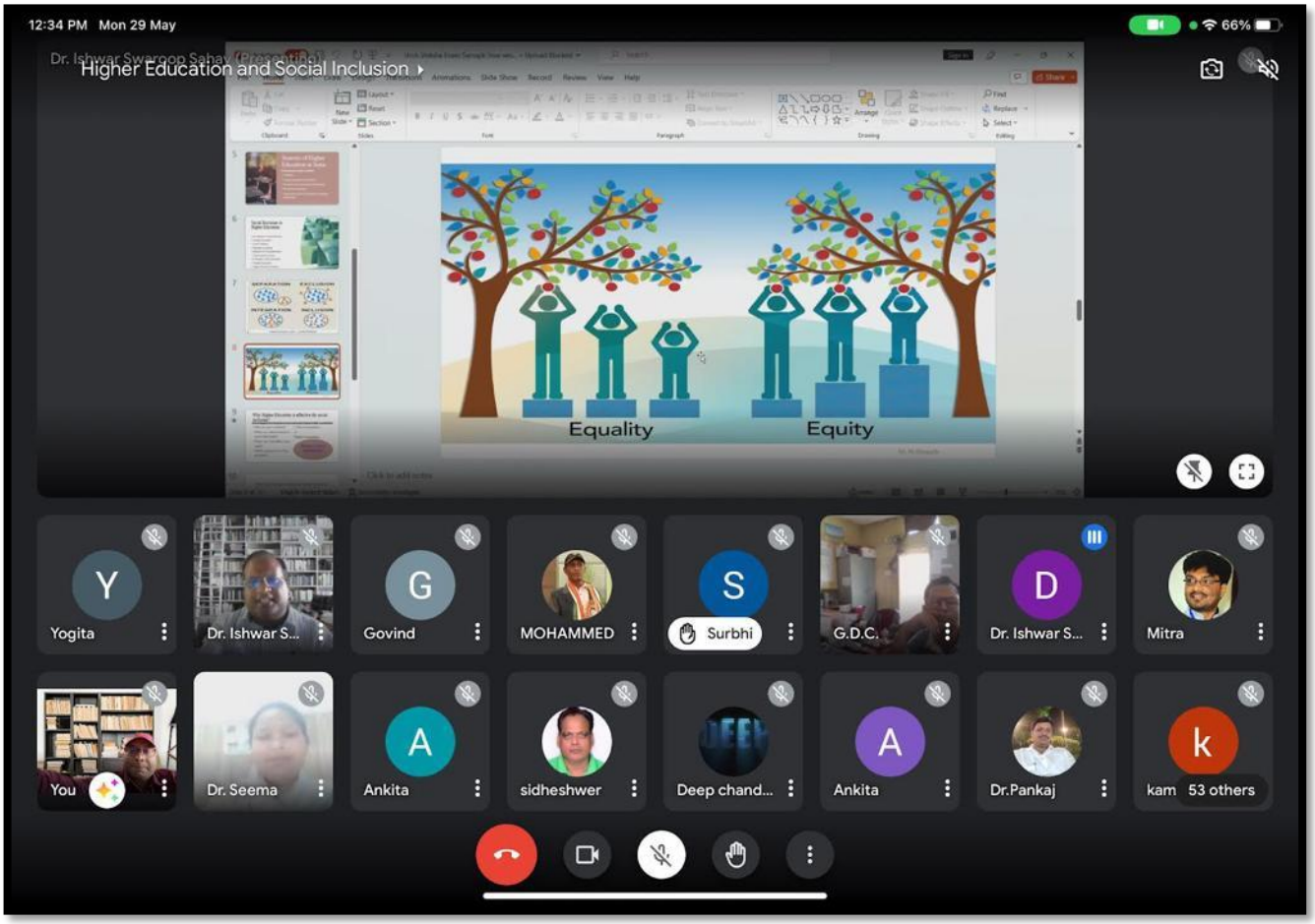
12:34 PM Mon 29 May
66%
Higher Education and Social Inclusion
Equality
Equity
Yogita
Dr. Ishwar S...
Govind
MOHAMMED
Surbhi
G.D.C.
Dr. Ishwar S...
Mitra
You
Dr. Seema
Ankita
sidheshwer
Deep chand...
Ankita
Dr.Pankaj
kam
53 others

मीडिया कवरेज

अमर उजाला कुमाऊं युवा Youth

उच्च शिक्षा को समावेशी बनाने की दिशा में हो रहा कार्य : प्रो. सूंठा

संवाद न्यूज एजेंसी

गणाईगंगोली (पिथौरागढ़)। राजकीय महाविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग और आईक्यूएसी की ओर से उच्च शिक्षा और सामाजिक समावेशन विषय पर एक दिनी राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

उच्च शिक्षा और सामाजिक समावेशन विषय पर हुआ राष्ट्रीय वेबिनार

वेबिनार में उच्च शिक्षा निदेशक और मुख्य अतिथि प्रो. सीडी सूंठा ने कहा कि उच्च शिक्षा में सामाजिक समावेशन के लिए समानता से आगे बढ़कर समता की धारणा की ओर बढ़ना होगा इन्होंने कहा कि उत्तराखंड में उच्च शिक्षा को समावेशी बनाने की दिशा में गुणवत्तापरक कार्यक्रमों की शुरुआत की गई है। इससे छात्रों के रोजगार में वृद्धि होगी।

उच्च शिक्षा से निकले छात्र नए बदलाव के सामाजिक और आर्थिक अग्रदूत की भी भूमिका निभाएं। मुख्य वक्ता प्रो. सुभाष चंद्र वर्मा ने कहा कि हमें उच्च शिक्षा में सकारात्मक माहौल का सृजन करना होगा ताकि छात्रों के संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास हो सके। परंपरागत धारणा से मुक्त होकर श्रम की गरिमा को स्थापित करने की जरूरत है।

समावेशी बदलावों का रास्ता निश्चित तौर पर उच्च शिक्षा की पगडंडियों से होकर गुजरता है। अतिथि वक्ता प्रो. आनंद प्रकाश सिंह ने कहा कि छात्राओं को उच्च शिक्षा से जोड़कर सामाजिक, आर्थिक समझ के दायरे का भी विस्तार किया जा सकता है।

छात्रा निकिता बोरा ने कहा कि दूरस्थ क्षेत्र में महाविद्यालय खोलने से छात्राओं की उच्च शिक्षा में भागीदारी बढ़ी है।

इस मौके प्राचार्य प्रो. सिद्धेश्वर सिंह, आगरा की शोध छात्रा आकांक्षा शर्मा, संयोजक डॉ. आशीष अंशु, डॉ. मुनेश कुमार पाठक, डॉ. अंकिता टम्टा, नवीन चंद्र, प्रेमा पांडेय, जीवन सिंह बोरा आदि मौजूद रहे।

उच्च शिक्षा में सामाजिक समावेश जरूरी : सूंठा

गणाई गंगोली। राजकीय महाविद्यालय में समाज शास्त्र विभाग एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में उच्च शिक्षा एवं सामाजिक समावेशन विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. सिद्धेश्वर सिंह ने समस्त अतिथियों के स्वागत एवं अपने संबोधन व्याख्यान के साथ किया।

इस अवसर पर उत्तराखण्ड उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. चन्द्र दत्त सूंठा ने अपने उद्गार वक्तव्य से विषय पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में सामाजिक समावेशन हेतु समानता से आगे बढ़कर समता की धारणा की ओर बढ़ना होगा। उत्तराखण्ड में उच्च शिक्षा को समावेशी बनाने की दिशा में गुणवत्ता परख कार्यक्रमों की शुरुआत की गई है। उत्तराखण्ड में उच्च शिक्षा में सामाजिक समावेशन के लक्ष्य प्राप्ति हेतु नवीनतम तकनीकों, कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से आवश्यक संरचनात्मक बदलाव को भी समायोजित किया गया है। जिससे अंतिम छात्र तक इसके लाभ से लाभांभित हो सकें। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. सुभाष चंद्र वर्मा ने कहा कि हमें उच्च शिक्षा में एक ऐसा सकारात्मक माहौल का सृजन करना होगा, जिससे छात्रों के संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास हो सके और प्रतिभाओं के निखरने का सृजनात्मक माहौल तैयार हो सके। कार्यक्रम के अतिथि वक्ता प्रो. आनंद प्रकाश सिंह ने उच्च शिक्षा को मानसिक और शारीरिक रूप से असक्षम छात्र–छात्राओं हेतु और भी अधिक समावेशी एवं संवेदनशील बनाने पर जोर दिया। उन्होंने इस अवसर पर उत्तराखण्ड के विशेष भौगोलिक पृष्ठभूमि में ग्रामीण क्षेत्र के छात्र–छात्राओं को उच्च शिक्षा की मुहिम से जोड़कर उनकी रोजगार संभावना में ना सिर्फ वृद्धि की जा सकती है, बल्कि उनकी समाजिक आर्थिक समझ के दायरे के भी विस्तार किया जा सकता है। वेबिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से 100 से भी अधिक प्रतिभागियों एवं छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। संचालन डॉ. आशीष अंशु ने किया। इस दौरान नवीन चंद्र, डॉ. अंकिता टम्टा, प्रेमा पांडेय, जीवन सिंह बोरा आदि रहे।

रिपोर्ट जमाकर्ता

डॉ0 आशीष अंशु

विभाग प्रभारी–समाजशास्त्र विभाग

एवं संयोजक आई.क्यू.ए.स